सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 144 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 29 जून, 2022

मूल्य ₹ 3/-

अपने मन के दु:ख को मन के भीतर छिपा कर ही रखना चाहिए। दूसरे का दु:ख सुनकर लोग इठला भले ही लें, उसे बांट कर कम करने वाला कोई नहीं होता।

–रहीम दास

प्लॉग रन में अरविंद शर्मा ने... 8 | भाजपा के बूथ मैनेजमेंट के आगे... 3 | फेल हो गया झूठा डबल इंजन, यूपी... 7

महाराष्ट्र में चरम पर सत्ता की जंग

फ्लोर टेस्ट पर 'सुप्रीम' फैसले का इंतजार

- » राज्यपाल ने कल बहुमत परीक्षण के लिए सदन का बुलाया है विशेष सत्र
- » आदेश को शिवसेना ने शीर्ष अदालत में दी है चुनौती
- » सभी बागी विधायकों के साथ कल मुंबई पहुंचेंगे एकनाथ शिंदे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्ता की जंग चरम पर पहुंच चुकी है। राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के कल फ्लोर टेस्ट (सदन में बहुमत परीक्षण) कराने के आदेश के खिलाफ शिवसेना ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। इस पर आज शाम कोर्ट में सुनवाई होगी। लिहाजा सभी की नजरें शीर्ष अदालत के फैसले पर टिक गयी हैं। फ्लोर टेस्ट को लेकर सियासी बैठकों का दौर तेज हो गया है। वहीं शिवसेना के बागी विधायक दल के नेता एकनाथ शिंदे ने दावा किया है कि उनके पास 50 विधायकों का समर्थन है। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्यपाल से फ्लोर टेस्ट कराने की मांग की थी।

तीस जून को विधान सभा में फ्लोर टेस्ट के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए राजी हो गया है। आज शाम पांच बजे शिवसेना की ओर से दायर की गई याचिका पर सुनवाई होगी। दरअसल, राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने 30 जून को विधान सभा का विशेष सत्र बुलाया है। इस विशेष सत्र में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे के बीच फ्लोर टेस्ट होगा। महा विकास अघाड़ी सरकार को इस दौरान बहुमत साबित करना होगा जबकि उद्धव गुट का कहना है कि बहुमत परीक्षण अवैध है। शिवसेना की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने याचिका दायर की थी। शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा है कि यह गैरकानूनी है क्योंकि हमारे 16 विधायकों की अयोग्यता का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। वहीं राज्यपाल के फ्लोर टेस्ट कराने के आदेश के बाद बैठकों का दौर जारी है। एनसीपी चीफ शरद पवार के घर पार्टी नेताओं की बैठक हो रही है। एकनाथ शिंदे सभी बागी विधायकों के साथ 30 जून को मुंबई पहुंचेंगे। शिंदे ने आज अन्य विधायकों के साथ गुवाहाटी में स्थित कामाख्या देवी मंदिर में पूजा अर्चना की। मंदिर से निकलने के बाद उन्होंने कहा कि मैं यहां महाराष्ट्र की शांति और खुशी के लिए प्रार्थना करने आया हूं। फ्लोर टेस्ट के लिए कल मुंबई जाऊंगा और सभी प्रक्रिया का पालन करूंगा। सूत्रों के मुताबिक, बागी विधायक आज गोवा पहुंचेंगे। इसके लिए ताज रिजार्ट एंड कन्वेंशन सेंटर गोवा में 70 कमरे बुक किए गए हैं। बागी विधायक कल मुंबई के लिए उड़ान भरेंगे और सीधे महाराष्ट्र विधान सभा जाएंगे। शिंदे ने दावा करते हुए कहा कि हमारे पास 50 विधायकों का समर्थन है। हमारे पास दो तिहाई बहुमत है। हम फ्लोर टेस्ट को लेकर चिंतित नहीं हैं। दूसरी ओर कांग्रेस ने भी विधायकों की बैठक बुलाई है। बैठक में फ्लोर टेस्ट को लेकर चर्चा हो सकती है।

नवाब मलिक व देशमुख भी पहुंचे कोर्ट

महाराष्ट्र विधान सभा में फ्लोर टेस्ट से पहले जेल में बंद एनसीपी विधायक नवाब मलिक और अनिल देशमुख ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। दोनों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर फ्लोर टेस्ट में शामिल होने की अनुमति मांगी गई है। सुप्रीम कोर्ट उनकी याचिका पर सुनवाई करेगा।

फडणवीस ने भाजपा नेताओं संग की बैठक

महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए भाजपा ने भी हाथ-पैर मारने शुरू कर दिए हैं। भाजपा नेता व पूर्व मुख्मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज अपने घर पर भाजपा नेताओं के साथ बैठक की। सूत्रों का कहना है कि भाजपा ने अपने विधायकों को आज शाम मुंबई के ताज प्रेसिडेंट होटल में इकट्ठा होने का निर्देश दिया। फ्लोर टेस्ट के बीच निर्दलीय विधायक राजेंद्र राउत का बयान सामने आया है। विधायक राउत ने भाजपा को समर्थन देने का ऐलान किया है। राउत ने कहा कि मैं शुरू से ही भाजपा के साथ हूं।

ओवैसी को बड़ा झटका, एआईएमआईएम के पांच में चार विधायक आरजेडी में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में एक बार फिर आरजेडी सबसे बड़ी पार्टी हो गई है। इसके पहले भी आरजेडी सबसे बड़ी पार्टी थी लेकिन बीच में मुकेश सहनी की पार्टी के विधायक भाजपा के साथ चले गए और फिर भाजपा बड़ी पार्टी हो गई। आज तेजस्वी यादव ने खुद ऐलान किया कि असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के चार विधायकों ने आरजेडी का दामन थाम लिया है।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव आज खुद गाड़ी चलाकर एआईएमआईएम के चारों विधायक को लेकर विधान सभा अध्यक्ष विजय सिन्हा के चेंबर में गए। यहां से निकलने के बाद उन्होंने बताया कि चार विधायकों ने आरजेडी ज्वाइन कर लिया है। एआईएमआईएम के टिकट से अमौर सीट से अख्तरुल ईमान, बायसी से सैयद रुकनुद्दीन अहमद, जोकीहाट से शाहनवाज आलम, कोचाधामन से मोहम्मद इजहार असफी, बहादुरगंज से मोहम्मद अंजार नईमी जीते थे। इसमें चार आरजेडी में शामिल हो गए। एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने ओवैसी का साथ नहीं छोड़ा है। इनके अलावा चारों विधायक आरजेडी में शामिल हुए हैं।

बाढ़ से निपटने को टीम गठित करें अफसर : योगी

- » कहीं भी न हो जलभराव सारी तैयारी करें पूरी
- » मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों संग की बैठक, दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपने सरकारी आवास पर प्रदेश में बाढ़ नियंत्रण और जल भराव की समस्या के समाधान के लिए अधिकारियों के साथ बैठक की और कड़े दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए जो भी तैयारियां अधूरी रह गई हैं उन्हें जल्द पूरा करें। आपदा प्रबंधन टीम गठित की जाए जिससे बाढ़ की स्थिति पैदा होने पर उससे निपटा जा सके।

उन्होंने कहा कि जैसे राज्य स्तर पर एएसडीएमए, एनडीआरएफएचक्यू और एसडीआरएफ की तीन यूनिट काम कर रही हैं। इसी तरह प्रत्येक जिले में जिला आपदा प्रबंधन योजना तैयार करके उसके प्रशिक्षण के कार्यक्रम को भी आगे बढ़ाया जाए। बाढ़ या किसी अन्य आपदा की स्थिति में प्रशिक्षित मैन पावर हर जनपद में होना चाहिए। किसी भी आपदा से पूरी तरह बचाव हेतु जनपद अपने स्तर पर स्वावलम्बी कैसे बने, इस पर फोकस होना चाहिए। किसी भी ग्राम पंचायत, नगर निकाय, वार्ड या मोहल्ला में जल-जमाव नहीं होना चाहिए। हर एक स्तर पर इसकी जवाबदेही सुनिश्चित कराएं।

बारिश को लेकर तीस जिलों में येलो अलर्ट

लखनऊ। प्रदेश के कानपुर में आज सुबह से शुरु हुई बारिश ने लोगों को भीषण गर्मी और उमस के बीच राहत की सांस दी वहीं लखनऊ, प्रयागराज, उन्नाव में भी बारिश के बाद मौसम ने तेजी से करवट ली है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक लखनऊ समेत राज्य के 30 जिलों में तेज आंधी के बाद मूसलाधार बारिश की उम्मीद जताई है। विभाग ने गोरखपुर और देवरिया में गरज-चमक के साथ भारी बारिश और तूफान की चेतावनी दी गई है। इसके अलावा 30 जिलों में गरज चमक के साथ तेज बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

नोएडा में जल्द शुरू होगी हवाई जहाज के सर्विसिंग की सुविधा : पाठक

» दुर्घटनाओं को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर दिया जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि काफी समय तक हमारा देश हवाई जहाज, हेलीकॉप्टर की मरम्मत और रखरखाव के लिए अन्य देशों पर निर्भर था, लेकिन जल्द ही सरकार नोएडा में इसकी सुविधा शुरू करने जा रही है। यहां हवाई जहाजों की सर्विसिंग और मरम्मत की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 17 नए हवाई अड्डों के साथ कनेक्टिविटी को भी बढ़ाया जा रहा है। वह पीएचडी चेंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री और सेफ्टी कंट्रोल एंड डिवाइस प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से होटल क्लार्क अवध में उत्तर प्रदेश औद्योगिक सुरक्षा पर आयोजित सम्मेलन और एक्सपो को संबोधित कर रहे थे।

उप मुख्यमंत्री ने उद्योग इकाई के बढ़ते आकार के साथ खतरों और दुर्घटनाओं को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार एक सुरक्षित और स्वस्थ माहौल बनाने में सक्षम रही है। उन्होंने सम्मेलन में आए सुझाव का समर्थन भी किया। उन्होंने कहा कि खतरों के प्रति जागरूकता उन ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक महत्व रखती है जहां एलपीजी का उपयोग अभी भी नया है और गति पकड़ रहा है। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के उद्देश्य से सरकार विदेशी निर्भरता को कम करने के लिए लगातार प्रतिबद्ध है और इस दिशा में

काम कर रही है। इस दौरान अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने कहा कि सुरक्षा नियंत्रण और प्रशिक्षण से बहुत सी औद्योगिक दुर्घटनाओं, खतरों को रोका जा सकता है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी 819 प्रखंडों में अग्नि दुर्घटनाओं को कम करने के लिए दमकल केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य है। सेफ्टी कंट्रोल डिवाइस के प्रबंध निदेशक रजनीश चोपड़ा, सीनियर सदस्य मुकेश सिंह ने भी सम्मेलन में अपनी बात रखी। कार्यक्रम में डीजी फायर सर्विस अविनाश चंद्र ने बताया कि 65 प्रतिशत आग की घटनाएं शार्ट-सर्किट की वजह से होती हैं। इसलिए पुरानी इंडस्ट्रीज में समय समय पर पुरानी वायरिंग की जांच करते रहना चाहिए। कंपनी और इंडस्ट्री में फायर सेफ्टी आडिट बहुत जरूरी है क्योंकि जब आपकी इलेक्ट्रिकल सप्लाई की व्यवस्था सुरक्षा के लिहाज से सही होगी तभी आप और आपके कर्मचारी सुरक्षित होंगे।

पाठक ने अपनी फ्लीट से पहुंचाया मरीज को अस्पताल

भाउराव देवरस अस्पताल में अचानक उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक निरीक्षण के लिए पहुंचे। उसी दौरान स्ट्रेचर पर पड़े एक लावारिस मरीज पर उनकी नजर पड़ी। डाक्टरों ने मरीज को ब्रेन स्ट्रोक की आशंका जताकर उसे बलरामपुर अस्पताल रेफर करने की बात बताई। मरीज को ले जाने के लिए 108 एंबुलेंस सेवा को फोन किया गया, लेकिन एंबुलेंस पहुंच ही नहीं पाई। इस पर उपमुख्यमंत्री ने अस्पताल प्रशासन के अधिकारियों से पूछा कि उनके पास कोई एंबुलेंस है या नहीं। अधिकारियों ने एंबुलेंस न होने की जानकारी दी तो उपमुख्यमंत्री ने एम्बुलेंस मंगवाकर अपनी फ्लीट के साथ मरीज को बलरामपुर अस्पताल लेकर पहुंचे तो वहां डॉक्टरों ने मरीज की जांच कर ब्रेन स्ट्रोक की पुष्टि की।

बीजेपी नेताओं को जल्द बांटे जाएंगे उनके दायित्व : धामी

» सरकार की पहली प्राथमिकता अपने संकल्पों को पूरा करना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार में भाजपा नेताओं को संगठन के साथ राय-मशविरा करने के बाद ही दायित्व बांटे जाएंगे। गैरसैंण को लेकर उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर किसी को चिंतित होने की जरूरत नहीं। गैरसैंण के विकास में किसी चीज की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। आयोग-निगम-परिषदों में भाजपा नेताओं को दायित्व देने से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि संगठन में पुराने कार्यकर्ता हैं, उनको सम्मान मिले, इस पर संगठन के साथ चर्चा की जाएगी। यह एक पूरी प्रक्रिया है, इसके बाद ही दायित्व सौंपे जाएंगे।

गैरसैंण के सवाल पर धामी बोले कि यह प्रदेशवासियों की भावना से जुड़ा मुद्दा है। पूर्व में भाजपा सरकार गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित कर चुकी है। वहां के बुनियादी विकास को बजट में 22 करोड़ रुपये की व्यवस्था की जा चुकी है। साथ ही सभी विभागों को वहां अवस्थापना विकास सुविधाएं जुटाने के लिए कार्ययोजना बनाने के भी निर्देश दिए हैं। धामी ने कहा, गैरसैंण के विकास की पूर्व सीएम त्रिवेंद्र रावत की परिकल्पना को आगे बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता अपने संकल्पों को पूरा करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीती पांच नवंबर को केदारनाथ धाम में कह चुके हैं कि आने वाला दशक उत्तराखंड का होगा। नौ नवंबर 2025 को जब उत्तराखंड अपना रजत जयंती वर्ष मना रहा होगा तो वह निश्चित ही सर्वश्रेष्ठ राज्यों में शुमार होगा।

उदयपुर की घटना से पूरा देश स्तब्ध : राजा भैया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखने वाले टेलर कन्हैया लाल की राजस्थान के उदयपुर में निर्मम तरीके से गला रेतकर हत्या करने की घटना का रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने भी निंदा की। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि उदयपुर की पैशाचिक घटना कोई सामान्य हत्याकांड नहीं है, ये पूरी तरह से एक आतंकी वारदात है।

प्रदेश और देश की सरकार को भी उसी कड़ाई से इससे निपटना चाहिए। कठोर कार्यवाही' केवल बयानों में ही नहीं धरातल पे भी दिखनी चाहिये। पूरा देश स्तब्ध है। सबको मुखर भी होना पड़ेगा। बता दें कि उदयपुर में इस निर्मम हत्या पर उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री व बसपा प्रमुख मायावती व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी एक स्वर में निंदा की। ट्वीट कर उन्होंने हत्यारों को सख्त सजा देने के साथ-साथ शांति व सद्भाव बनाए रखने की राजस्थान सरकार से मांग की थी।

रामपुर और आजमगढ़ को अपना अभेद्य दुर्ग बनाएगी भाजपा

» विकास परियोजनाओं पर सीएम कार्यालय की रहेगी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के गढ़ कहे जाने वाले आजमगढ़ और रामपुर को उपचुनाव में ढहाने के बाद अब भाजपा इसे अपना अभेद्य दुर्ग बनाने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोनों ही जिलों को शीर्ष प्राथमिकता में रखते हुए यहां चल रहीं विकास परियोजनाओं की शासन स्तर से समीक्षा के निर्देश दिए हैं। इन जिलों पर अब मुख्यमंत्री कार्यालय की सीधी नजर होगी।

सरकार के पहले 100 दिन के कार्यों की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा उपचुनाव में भाजपा की अभूतपूर्व जीत की चर्चा करते हुए स्थानीय जनता के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि रामपुर और आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव में स्थानीय जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों में अभूतपूर्व विश्वास जताया है। हमें इस विश्वास और उनके भरोसे पर खरा उतरना होगा। सभी विभाग इन दोनों जनपदों से सम्बंधित विकास परियोजनाओं की समीक्षा कर लें, कोई भी प्रस्ताव लंबित न रहे। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा भी इन क्षेत्रों में संचालित/लंबित विकास परियोजनाओं की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा शास्त्रीय संगीत में आजमगढ़ के हरिहरपुर घराना की समृद्ध विरासत का जिक्र करते सीएम ने कहा कि हरिहरपुर घराना 600 वर्ष से अधिक पुराना घराना है।

देश का पहला ट्रांजिट हब बनेगा जेवर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर देश का पहला ट्रांजिट हब बनेगा। इसके रनवे का काम शुरू हो चुका है। इस परियोजना से प्रदेश में रोजगार और व्यापार के अवसर बढ़ेंगे। वहीं एशिया पैसेफिक ट्रांजिट हब विकसित करने की योजना भी बनाई जा रही है। देश में अभी किसी एयरलाइंस का ट्रांजिट हब नहीं है। निवाल ने यह सुझाव विकासकर्ता कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएपीएल) को दिया है। जेवर एयरपोर्ट में एशिया पैसेफिक ट्रांजिट हब विकसित करने की योजना है। इसके लिए किसी बड़ी एयरलाइंस से समझौता होता है।

» पेरिस के ज्यूरिख एयरपोर्ट की तरह मिलेंगी सुविधाएं

समझौता करने वाली एयरलाइंस अन्य एयरलाइंस को अपने साथ जोड़ती है। हब बनने के बाद उसकी सभी फ्लाइट यहां से होकर गुजरेंगी। ट्रांजिट हब बनने से एयरपोर्ट में फ्लाइट का आना-जाना अधिक होगा। जब फ्लाइट अधिक आएंगी तो रोजगार के अवसर बनेंगे। व्यापार भी बढ़ेगा। इसलिए यह हब बनने से अनेक फायदे मिलेंगे। यात्री सुविधाएं, सामान प्रबंधन, इम्मिग्रेशन आदि पर जोर दिया जाएगा एयरपोर्ट में लाउंज से सीधे विमान तक पहुंचने की सुविधा मिल सकती है।

भाजपा के बूथ मैनेजमेंट के आगे विपक्ष पस्त, उपचुनाव में जीत ने बढ़ाया हौसला

» आजमगढ़ में सपा का किला ढहा कर मिशन 2024 में जुटे कार्यकर्ता

» जातीय समीकरण साधने का हुआ था विशेष प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के बूथ मैनेजमेंट के आग विपक्ष पस्त दिखा। लोक सभा उपचुनाव में भाजपा ने ऐसी रणनीति बनायी कि सपा की परंपरागत आजमगढ़ और रामपुर सीट उससे छीन ली। इस जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ता अब मिशन 2024 के लिए जुट गए हैं।

सपा का मजबूत किला मानी जाने वाली आजमगढ़ लोक सभा सीट को उपचुनाव के जरिये भाजपा ने अपने खाते में करके मिशन-2024 को लेकर नये सियासी समीकरण की नींव रख दी है। साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं में इस जीत ने ऊर्जा का संचार कर दिया है। उन्हें यह विश्वास भी दिला दिया है कि बेहतर रणनीतिक प्रबंधन से माहौल को अपने पक्ष में किया जा सकता है। आजमगढ़ उपचुनाव में भाजपा के रणनीतिक प्रबंधन की बात करें तो इसमें पार्टी ने ऐसा संगठनात्मक चक्रव्यूह रचा था कि सपा उससे बाहर नहीं आ सकी। यह चक्रव्यूह केवल एक स्तर पर नहीं बल्कि तीन स्तर पर बनया गया था। बूथ, शक्ति केंद्र और मंडल स्तर पर। लोक सभा क्षेत्र के सभी 2176 बूथों पर पिछले चुनावों की तरह ही टीम बनाई गई थी लेकिन सभी 311 शक्ति केंद्रों को उस केंद्र के वरिष्ठ कार्यकर्ता को जिम्मेदारी पहली बार सौंपी गई थी। लोक सभा क्षेत्र के 22 मंडलों में मंडल टीम के अलावा चुनाव प्रबंधन के लिए एक वरिष्ठ कार्यकर्ता के साथ जिले से बाहर के एक-एक विधायक लगाए गए थे। इसके अलावा जातीय समीकरण को साधने के लिए संबंधित जाति के सांसदों और विधायकों को पार्टी ने मैदान में उतार दिया था। भाजपा ने सपा के जातीय समीकरण को तोड़ने के लिए अपने अपने सभी पत्ते खोल दिए थे।

11 लोक सभा सीटें भाजपा के खाते में

गोरखपुर क्षेत्र के गोरखपुर, बस्ती और आजमगढ़ मंडल में कुल 13 लोक सभा सीटे हैं। इनमें से 11 सीटें अब भाजपा के खाते में आ गई हैं। 2014 के चुनाव में भाजपा के पास क्षेत्र की अधिकतम 12 सीटें थीं। उस समय भी भाजपा को आजमगढ़ की सीट नहीं मिल सकी थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को 10 सीटें ही मिल सकी थीं। लालगंज, आजमगढ़ और मऊ सीट पर भाजपा प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा था। इनमें से आजमगढ़ सीट पर भाजपा के पास है।

कमजोर बूथ वाली रणनीति रही सफल

2024 के चुनाव के लिए कमजोर बूथों को ए, बी व सी कैटेगरी मे बांटकर मजबूत करने के लिए भाजपा की ओर से बनाई गई रणनीति का रिहर्सल भी इस उपचुनाव में हो गया। पार्टी ने बी व ए कैटेगरी उन बूथों पर विशेष तौर पर कार्य किया, जहां पिछले चुनावों में पार्टी को कम अंतर से हार मिली थी। पार्टी के पदाधिकारी इस बात से बेहद प्रसन्न हैं कि रिहर्सल में यह रणनीति सफल पाई गई है जिसका फायदा 2024 के चुनाव में जरूर मिलेगा।

सीएम से मिले निरहुआ

आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव जीतने के बाद दिनेश लाल यादव निरहुआ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास पर पहुंचे। मुलाकात के बाद नवनिर्वाचित सांसद निरहुआ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धनुर्धर भगवान राम की प्रतिमा भी भेंट की। निरहुआ के साथ उनके भाई और भोजपुरी कलाकार प्रवेश लाल यादव व अभिनेत्री आम्रपाली दुबे भी मौजूद रहीं।

15 हजार करोड़ से तैयार होंगे डेटा पार्क चार हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

» यूपी कैबिनेट बैठक में 14 प्रस्तावों पर लिए गए कई अहम फैसले

» सरकार के 100 दिन के एजेंडे पर भी हुआ मंथन

» इस वर्ष 35 करोड़ पौधे रोपने का भी रखा गया लक्ष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार की कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए गए, जिससे यूपी को अब और रफ्तार मिलेगी। कालिदास मार्ग पर मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित बैठक में 14 बड़े प्रस्तावों पर सहमति बन गई। मीटिंग में सबसे बड़ी चीज यह निकलकर सामने आई कि यूपी में 15950 करोड़ से चार डेटा सेंटर पार्क बनाए जाएंगे। इससे 4 हजार लोगों को नौकरियां मिल सकेंगी। इसमें एक पार्क ग्रेटर नोएडा में तैयार किया जा रहा है। इसको बनाने का ठेका मुंबई के हीरानंदानी समूह को मिला है। वहीं योगी सरकार ने वायुयान की रिपेयरिंग के लिए यूपी को हब बनाने का फैसला लिया है। सभी विभागों के मंत्रियों के साथ सरकार के 100 दिन के एजेंडा पर भी मंथन हुआ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में विकास कार्य के प्रस्तावों को हरी झंडी मिली। कैबिनेट बैठक में निशुल्क पौध उपलब्ध कराने को स्वीकृति मिली। कैबिनेट ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में 35 करोड़ पौधरोपण के लिए प्रदेश के सभी शासकीय विभागों एवं अन्य को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन की पौधशालाओं से निशुल्क पौध उपलब्ध कराने को स्वीकृति प्रदान की है। स्प्रिंकलर सिंचाई के प्रोत्साहन के लिए पर ड्रॉप मोर क्रॉप कार्यक्रम में ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई के प्रोत्साहन के लिए पांच वर्ष तक अतिरिक्त राज्य सहायता (टॉप अप) अनुमन्य करने को कैबिनेट ने सहमति दी है। साथ ही रेलवे अंडर पास के सम्बंध में उत्तर प्रदेश के पीडब्ल्यूडी विभाग और केंद्र सरकार के परिवहन रेल के साथ अनुबंध को हरी झंडी दी गई है। उत्तर प्रदेश में विमानन मेंटेनेंस रिपेयर ओवरहाल हब के सम्बंध में प्रस्ताव पास किया गया। कैबिनेट बैठक में उत्तरप्रदेश में वन्य क्षेत्रों को बढाने के सम्बंध में प्रस्ताव पास किया गया। इस वर्ष 35 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है।

नगर निकाय क्षेत्र में सम्मिलित ग्रामों में भी स्वामित्व योजना के तहत आबादी सर्वेक्षण एवं अभिलेख क्रिया के कार्य को जारी रखे जाने का प्रस्ताव भी पास हुआ है। कैबिनेट ने प्रदेश के अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को खाद्यान्न के लिए 3196.81 करोड़ रूपये अनुमानित व्ययभार को हरी झंडी प्रदान की है। इसके साथ उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स के संबंध में प्रस्ताव पास किया गया है। इसमें ड्यूटी भत्ता के साथ 786 रुपया प्रतिदिन भुगतान का प्रस्ताव दिया गया था।

आजमगढ़ का हरिहरपुर होगा विकसित

रामपुर और आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव की जीत पर सीएम योगी ने कहा हमें इस विश्वास पर खरा उतरना है। सभी विभाग दोनों जिलों की विकास परियोजनाओं को देख लें। अगर कोई प्रस्ताव पेंडिंग है तो उसको जल्दी लागू करा लें। सीएम योगी ने इस दौरान चुनाव प्रचार संभाल रहे नेताओं को बधाई भी दी। ये तय हुआ कि आजमगढ़ के शास्त्रीय संगीत के हरिहरपुर घराने को आगे बढ़ाया जाए। सीएम योगी ने कहा, संगीत जगत के लोगों के साथ मिलकर यहां के लिए प्रस्ताव तैयार कराया जाए। रामपुर के बिलासपुर की चीनी मिल को ठीक से चलाने पर भी सहमति बनी।

चार जुलाई को सभी मंत्री, विधायक जनता के बीच रहेंगे

सीएम योगी ने कहा, हर हाल में 30 जून तक 100 दिनों के टारगेट पूरे हो जाए। मुख्य सचिव विभागों के समीक्षा की रिपोर्ट देंगे। 4 जुलाई को सभी मंत्री, विधायक जनता के बीच रहेंगे। जनता को अपने संकल्प के बारे में बताएंगे। आने वाले 6 महीने के टारगेट लोगों से साझा करेंगे। बैठक में तय हुआ कि सभी जिलों में एक-एक सीएचसी को पीपीपी मोड पर चलाया जाए। हेल्थ एटीएम तैयार कराए जाएंगे। रिमोट एरिया में टेलीकंसल्टेशन को बढ़ावा दिया जाए। डग्गामार बसों को एक व्यवस्था से जोड़ा जाए। इनका रूट तय हो। परिवहन विभाग की जमीन हर जगह प्राइम लोकेशन पर है। यहां होटल, रेस्टोरेंट तैयार किए जाए। बस स्टेशन का आधुनिकीकरण कराया जाए।

विधायक निधि के लिए 741 करोड़ जारी

यूपी सरकार ने विधायक निधि के लिए 741 करोड़ जारी किए हैं। विधान सभा के 403 सदस्यों के लिए 6.4 अरब रुपए और विधान परिषद के 100 में से 91 सदस्यों के लिए 1.36 अरब रुपए मंजूर किए हैं। विधान मंडल के हर सदस्य को हर साल विकास निधि में 5 करोड़ रुपए दिए जाते हैं। विधानमंडल के 494 सदस्यों के लिए डेढ़ करोड़ की पहली किस्त के 7.41 अरब जारी किए हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पॉलीथिन पर प्रतिबंध और लचर तंत्र

प्रदूषण को रोकने के लिए प्रदेश सरकार ने चार साल पहले पॉलीथिन पर प्रतिबंध लगाया था लेकिन आज तक यह धरातल पर नहीं उतर सका है। बाजारों में इसका धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा है। अकेले लखनऊ में रोजाना कई क्विंटल पॉलीथिन बैग्स की खपत हो रही है। इसके कारण प्रदूषण का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। तमाम शहरों में सरकार के आदेश और कानूनी प्रावधान बस कागजों पर चल रहे हैं। सवाल यह है कि कानूनों का पालन क्यों नहीं किया जा रहा है? पॉलीथिन के प्रयोग को रोकने में सरकार नाकाम क्यों है? नगर निगम और नगर पालिकाएं क्या कर रही हैं? पॉलीथिन उत्पादक फैक्ट्रियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? इतनी बड़ी संख्या में शहर में पॉलीथिन कहां से आ रही है? पॉलीथिन के खिलाफ अभियान चलाने के नाम पर खानापूर्ति क्यों हो रही है? क्या पर्यावरण की रक्षा करना सरकार का दायित्व नहीं है? प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्या कर रहा है?

सवाल यह है कि कानूनों का पालन क्यों नहीं किया जा रहा है? पॉलीथिन के प्रयोग को रोकने में सरकार नाकाम क्यों है? नगर निगम और नगर पालिकाएं क्या कर रही हैं? पॉलीथिन उत्पादक फैक्ट्रियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? इतनी बड़ी संख्या में शहर में पॉलीथिन कहां से आ रही है? पॉलीथिन के खिलाफ अभियान चलाने के नाम पर खानापूर्ति क्यों हो रही है?

प्रदेश में 2018 में पॉलीथिन के प्रयोग पर यूपी सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया था। नियम के मुताबिक 50 माइक्रॉन से कम मोटाई के पॉलीथिन बैग की बिक्री को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी गई है। इसके लिए नगर निगम ने धर-पकड़ अभियान भी चलाया लेकिन कोरोना काल में इसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गयी। लिहाजा प्रदेश की राजधानी लखनऊ में धड़ल्ले से पॉलीथिन बैग्स का प्रयोग दुकानदारों द्वारा किया जा रहा है। इसकी खपत बढ़ती जा रही है। राजधानी में इसका उत्पादन किया जा रहा है। दूसरे राज्यों से भी इसे मंगाया जा रहा है। जब प्रदेश की राजधानी लखनऊ में यह हाल है तो दूसरे जिलों के बारे में आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। हालांकि अब प्रतिबंधों का दायरा बढ़ा दिया गया है। नए सिंगल यूज प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन नियम 2021 में बैलून में प्रयोग होने वाली प्लास्टिक स्टिक, झंडे, कैंडी स्टिक, थर्मोकोल की वस्तुएं, निमंत्रण पत्र आदि को शामिल किया गया है। एक जुलाई से इन पर प्रतिबंध लग जाएगा। जाहिर है यदि सरकारी महकमे ने हीलाहवाली जारी रखी तो यह प्रतिबंध भी कागजों पर दर्ज होकर रह जाएगा। यदि सरकार प्रदेश को सिंगल यूज पॉलीथिन के प्रयोग से मुक्त करना चाहती है तो उसे न केवल संबंधित विभागों को जवाबदेह बनाना होगा बल्कि लापरवाह कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी करनी होगी। साथ ही उन फैक्ट्रियों को पहले बंद करना होगा जहां इसका उत्पादन हो रहा है। वहीं लोगों के बीच सतत जागरूकता कार्यक्रम चलाना होगा। बिना जन सहयोग के प्रदेश में पॉलीथिन के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध पूरी तरह शायद ही सफल हो।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जनता को नकारना होगा दल-बदलुओं को

लक्ष्मीकांत चावला

देश के पक्ष-विपक्ष के नेताओं को आज ऐसी किसी समस्या की चिंता नहीं जैसी आमजन को है। आमजन महंगाई से त्रस्त है। दवाई और पढ़ाई सबको उपलब्ध नहीं, इससे वे पीड़ित हैं, पर यही पीड़ा माननीयों को नहीं सहनी पड़ती। एक बार विधायक या सांसद बन गए तो उनके सारे परिवार को चिकित्सा सुविधा देना सरकारों का मानो कर्तव्य ही बन जाता है। महंगाई भी नेताओं को तंग नहीं करती क्योंकि वेतन और भत्ते इतनी मात्रा में मिल जाते हैं कि हर चीज उन्हें सस्ती लगती है।

देश के बहुत लोग रात को भूखे सोते हैं। फुटपाथ पर ही जन्म लेते और मर जाते हैं। बढ़ती जनसंख्या और उस पर कोई भी सरकारी नियंत्रण न होना गरीब की मुसीबतें बढ़ा रहा है। देश के नेताओं के सामने दो ही समस्याएं हैं। सत्तापक्ष सत्ता बनाए रखने के लिए तथा दूसरी पार्टियों से सत्ता छीनने के लिए लगातार प्रयास करता है और विपक्षी दल हाथों से निकली राजसत्ता पुन: प्राप्त करने के लिए किसी भी सीमा तक जाने को तैयार हो जाता है। नेताओं को तो बस सड़कों पर आकर नारे लगाने का कोई बहाना चाहिए। जनता की कठिनाइयों का कारण वे जनप्रतिनिधि हैं जो येन-केन प्रकारेण धनबल से, बाहुबल से, छल-धोखे से चुनाव तो जीत जाते हैं और उसके बाद वे ज्यादा सत्ता या धन पाने के लिए मार्केट में बिकने को पूरी तरह तैयार रहते हैं। आश्चर्य यह भी है कि जो लोग करोड़ों रुपये रिश्वत में देकर वोट खरीदते हैं उनके भी चुनावी खर्च विवरण को इस देश का चुनाव कमीशन स्वीकार कर लेता है। इन दिनों पंजाब की भगवंत मान सरकार भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों को नियंत्रित करने के लिए उन लोगों को कानून के घेरे में ले रही है जो कभी कानून के स्वामी थे, अधिकारी भी और विधायक, सांसद, मंत्री रहे लोग भी, पर सरकारों को उत्तर यह देना होगा कि भ्रष्टाचार में उनकी भी भूमिका अनदेखी क्यों होती है जो आज एक दल का डंडा और झंडा हाथ में उठाकर जनता से वोटों की भिक्षा मांगते हैं व कुछ दिन बाद वह झंडा फेंक कर किसी दूसरी पार्टी का चुनाव चिन्ह अपने गले में बड़ी शान से ओढ़ते हैं, उस पार्टी में सांस घुटने की बात कहते हैं।

विडंबना है कि खरीद-फरोख्त के डर से विधायक कभी कर्नाटक के सुखद आवासों में भेजे गए, कभी राजस्थान में उनके लिए वातानुकूलित कक्ष आरक्षित हो गए। जो व्यक्ति

संदिग्ध चरित्र का हो उसे तो कोई अपने यहां चपरासी भी नहीं रखता पर जिनका संदिग्ध व्यवहार है या जिनके बिकने की आशंका है उन्हें हवाई जहाजों में उड़ाकर ये सत्तापति सुरक्षित रखने के लिए ले जाते हैं तो क्या ऐसे अविश्वसनीय जनप्रतिनिधियों का कोई आत्मसम्मान शेष रह जाता है? आश्चर्य है कि जिन्हें भेड़-बकरियों की तरह हवाई जहाजों में बंद कर किसी स्थान में रखा जाता है वे हंसते भी है, मुस्कुराते भी हैं, मनोरंजक कार्यक्रमों का आनंद भी लेते हैं और मीडिया के सामने इस तरह प्रस्तुत किए जाते हैं जैसे ये लोकतंत्र की शान हों। आज लोकतंत्र की दुर्गति और जनता की दयनीय स्थिति के जिम्मेदार यही जनप्रतिनिधि हैं जो धन के लिए या अधिक सत्ता पाने के लिए किसी भी मार्केट में बिकने को तैयार रहते हैं। इन दिनों पंजाब में कुछ पूर्व मंत्रियों और एक-दो वर्तमान मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। वे पकड़े भी गए, जेल में भी पहुंचे। यद्यपि कानूनी प्रक्रिया में उन्हें अपराधी या निर्दोष घोषित होने में बहुत समय लगेगा। प्रश्न है कि अगर कोई ठेकेदार से कमीशन लेने वाला या स्वास्थ्य विभाग के लिए खरीद-फरोख्त करने वाला भ्रष्ट माना जाता है तो जनता के वोट लेकर जनता को धोखा देने वाला क्या माना जाए? बंगाल के एक नेता को तो सांस घुटने की बीमारी हो गई। इतनी ज्यादा जितनी शायद कोरोना मरीज को भी नहीं होगी। जैसे ही उसने दल बदला उसका सांस सही चलने लगी। चुनाव आयोग से आशा तो यह रखी जाती है कि जो चुनावी उम्मीदवार धनबल और बाहुबल का असीमित प्रयोग करते हैं, चुनाव आयोग की सारी संहिताओं की धज्जियां उड़ा देते हैं उन्हें चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित किया जाए। जो दल बदलू हैं उनकी सदस्यता भी समाप्त की जाए, पर शायद ये शक्तियां चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं। भारत सरकार को संसद में कानून बनाकर यह घोषित करना चाहिए कि जो दल बदलता है उसकी सदस्यता समाप्त हो जाएगी। जिस पार्टी का झंडा और डंडा ये दल बदलू उठा रहे हैं उसकी ओर से पुन: चुनाव लड़े तब सदस्य बन सकते हैं। तो फिर जनता को आगे आना होगा। सार्वजनिक तौर से दल-बदलुओं को नकारें। उनका अपने क्षेत्र में प्रवेश बंद करें और मांग यह करें कि जो दंड धोखेबाज को मिलता है वही दंड उनको मिलना चाहिए जो एक पार्टी से चुनाव जीतकर जनता को विश्वास दिलाकर अपने स्वार्थों के लिए विश्वास तोड़ते हैं और यह आवाज उठे कि इनको माननीय क्यों कहा जाता है, जो जनता को अमाननीय हैं, वे माननीय कैसे?

बीआरआई के भविष्य पर सवाल

अश्विनी महाजन

चीन ने जिस बेल्ट-रोड पहल (बीआरआई) को बड़े जोश से दुनिया के सामने रखा था और जिस गर्मजोशी से संबंधित मुल्कों ने इसे स्वीकारा था और कई परियोजनाएं तैयार भी हो गयी थीं, आज उनका भविष्य अधर में है। यह पहल चीन द्वारा प्रस्तावित एवं समर्थित भारी-भरकम इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना है, जिसे औपचारिक तौर पर चीन ने 2013 में दुनिया के सामने रखा था। बीआरआई फोरम का पहला सम्मेलन 2017 में बुलाया गया था, जिसमें 100 से ज्यादा देशों ने भाग लिया था। भारत ने इस सम्मेलन का बहिष्कार किया था क्योंकि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीआईसी) इसी का हिस्सा बताया गया है, जो जम्मू-कश्मीर के उस हिस्से में बनाया जा रहा है, जो पाकिस्तान के कब्जे में है।

अप्रैल, 2019 के अंत में जब बीआरआई फोरम का दूसरा सम्मेलन हुआ तो इसमें पहले सम्मेलन से कहीं ज्यादा भागीदारी रही लेकिन इसके साथ ही परियोजना के संदर्भ में कई प्रश्नचिह्न भी लगने शुरू हो गये। इससे बीआरआई की सफलता की संभावनाओं पर सवालिया निशान लगने शुरू हो गये थे। श्रीलंका संकट से पूरी दुनिया सकते में हैं। इस संकट के पीछे कहीं न कहीं चीन का कर्ज है, जो श्रीलंका ने बंदरगाह और रेल आदि के निर्माण के लिए लिया था। पहले हंबनटोटा बंदरगाह के निर्माण हेतु लिये गये ऋण को न चुका पाने के कारण चीन ने उससे वह बंदरगाह ही हथिया लिया। ऐसे ही अन्य ऋणों को नहीं चुका पाने के कारण वह संप्रभु ऋण के जाल में फंसता चला गया। आज उसकी क्रेडिट रेटिंग इतनी कम हो चुकी है कि उन ऋणों को आगे बढ़ा पाना उसके लिए असंभव हो चुका है। इसी तरह से केन्या के मोंबासा बंदरगाह पर भी चीन का कब्जा होना तय है। पाकिस्तान के वित्तीय संकट के तार भी किसी न किसी प्रकार से चीन के साथ जुड़े हैं। मालदीव, लाओस, जिबूती, मोंटेनेग्रो, मंगोलिया, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान आदि कई अन्य देश भी चीन की कर्ज जाल की कूटनीति का शिकार हो चुके हैं। इसे देखते हुए मलेशिया ने अपनी बेल्ट-रोड परियोजनाओं को बहुत छोटा कर दिया है।

जहां-जहां चीन की यह परियोजना शुरू हुई थीं, वह योजना पूर्णता प्राप्त करने की स्थिति में नहीं है। इन सभी मुल्कों में योजनाओं को शुरू तो कर दिया गया, लेकिन वहां की जनता इससे त्रस्त है। कई स्थानों पर इसके खिलाफ आंदोलन शुरू हो चुके हैं। कर्ज जाल कूटनीति के अंतर्गत चीन की बेल्ट-रोड पहल की शुरुआत ही ऐसी परियोजनाओं से की गयी जो आर्थिक दृष्टि से लाभकारी नहीं थीं। हंबनटोटा एक ऐसा बंदरगाह है जहां आवागमन बहुत कम है। पाकिस्तान में बनी विद्युत परियोजनाओं द्वारा उत्पादित बिजली के वितरण का ढांचा ही नहीं था। इस कारण वह परियोजना लाभप्रद नहीं रही। इन परियोजना के अंतर्गत बने मार्गों पर आवागमन शुरू ही नहीं हुआ है लेकिन इन परियोजनाओं के कारण पाकिस्तान पर कुल 90 अरब डॉलर का विदेशी ऋण बढ़ चुका है, जिसमें 25 अरब डॉलर तो केवल चीन से ही है। इतने बड़े ऋण को चुका पाना पाकिस्तान के बूते की बात नहीं। नतीजतन, संप्रभु संकट के चलते उसकी क्रेडिट रेटिंग तो गिरी ही उसकी मुद्रा की भी दुर्गति हो चुकी है।

आज जहां बेल्ट-रोड परियोजना के कारण संबंधित देश संकट में हैं, वहीं चीन के प्रति दुनिया का नजरिया तेजी से बदल रहा है। यूरोप के देशों ने इस योजना को हाथों-हाथ लिया था, लेकिन कोरोना के फैलाव में चीन की भूमिका से सशंकित देशों की सोच में बदलाव आ रहा है। लॉकडाउन और आर्थिक गतिविधियों में व्यवधान के कारण भी इन परियोजनाओं में रुकावट आयी है। चीन और अमेरिका के बीच बढ़ती कड़वाहट के कारण यूरोपीय देशों का रुझान बदल रहा है। समझना होगा कि चीन समर्थित बेल्ट-रोड परियोजना के माध्यम से जहां पूरी दुनिया को रेल, सड़क और जलमार्ग से जोड़ने की योजनाएं चल रही हैं, वहीं कई अन्य परियोजनाएं भी प्रारंभ हो चुकी हैं। इनमें यूरोपीय संघ की ग्लोबल गेटवे, अमेरिकी नेतृत्व में ब्लूडॉट नेटवर्क, जी-7 देशों द्वारा संचालित बिल्ड बैक बेटर वर्ल्ड, जापान का क्वालिटी इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट, रूस का यूरेशिया इकोनॉमिक यूनियन तथा भारत, रूस व ईरान द्वारा समर्थित इंटरनेशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर आदि शामिल हैं।

अफ्रीका, एशिया और यूरोप के भूगोल पर केंद्रित चीन समर्थित बेल्ट-रोड परियोजना दुनिया की सबसे बड़ी परियोजना है, जिसमें 142 देश शामिल हैं, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते तेजी से बदलते अंतरराष्ट्रीय समीकरणों के कारण इस और अन्य परियोजनाओं पर भारी असर पड़ सकता है। चीन के लिए रूस की भूमि यूरोपीय बाजारों के लिए सबसे अधिक विश्वसनीय मार्ग था। रूस, यूक्रेन, पौलेंड, बेलारूस आदि बेल्ट-रोड की रेल योजना का बड़ा हिस्सा थे। युद्ध के कारण इस योजना पर ग्रहण लग सकता है। चीन और यूरोप के बीच जुड़ाव के लिए अब चीन को पुराने मार्ग पर ही आश्रित होना होगा, यानी रेल कनेक्टिविटी का उसका सपना अधूरा रह सकता है। संभव है कि रूस पर अमेरिकी प्रतिबंधों और अन्य कदमों से प्रभावित रूस भी चीन की तरफ कदम बढ़ा सकता है, जिसका खामियाजा अमेरिका को भी भुगतना पड़ सकता है. रूस और भारत की दोस्ती दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण है। अल्पकाल में यह संभव है कि रूस को चीन के यूनियन पे पर भरोसा करना पड़े लेकिन दीर्घकाल में उसके द्वारा ईएइयू परियोजना को आगे बढ़ाना संभव है और चीन की हिस्सेदारी उसमें भी होगी।

इस साल रोचक होगी

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

हर साल की तरह इस बार भी आषाढ़ माह शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को उड़ीसा में भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा की शुरूआत होने वाली है। पुरी जगन्नाथ रथ यात्रा इस बार एक जुलाई शुक्रवार से शुरू होगी। रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा का रथ भी निकाला जाता है। तीनों अलग-अलग रथ में सवार होकर यात्रा पर निकलते हैं। रथ यात्रा का समापन आषाढ़ शुक्ल एकादशी पर होता है। आइए जानते हैं भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की खास बातें और इस धार्मिक महत्व।

रथ यात्रा से जुड़ी खास बातें

- भगवान जगन्नाथ के रथ में एक भी कील का प्रयोग नहीं होता। यह रथ पूरी तरह से लकड़ी से बनाया जाता है, यहां तक की कोई धातु भी रथ में नहीं लगाया जाता है। रथ की लकड़ी का चयन बसंत पंचमी के दिन और रथ बनाने की शुरुआत अक्षय तृतीया के दिन से होती है।
- हर साल भगवान जगन्नाथ समेत बलभद्र और सुभद्रा की प्रतिमाएं नीम की लकड़ी से ही बनाई जाती है। इन रथों में रंगों की भी विशेष ध्यान दिया जाता है। भगवान जगन्नाथ का रंग सांवला होने के कारण नीम की उसी लकड़ी का इस्तेमाल किया जाता जो सांवले रंग की हो। वहीं उनके भाई-बहन का रंग गोरा होने के कारण उनकी मूर्तियों को हल्के रंग की नीम की लकड़ी का प्रयोग किया जाता है।
- पुरी के भगवान जगन्नाथ के रथ में कुल 16 पहिये होते हैं। भगवान जगन्नाथ का रथ लाल और पीले रंग का होता है और ये रथ अन्य दो रथों से थोड़ा बड़ा भी होता है। भगवान जगन्नाथ का रथ सबसे पीछे चलता है पहले बलभद्र फिर सुभद्रा का रथ होता है।
- भगवान जगन्नाथ के रथ को नंदीघोष कहते है,बलराम के रथ का नाम ताल ध्वज और सुभद्रा के रथ का नाम दर्पदलन रथ होता है।
- भगवान को ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा के दिन जिस कुंए के पानी से स्नान कराया जाता है वह पूरे साल में सिर्फ एक बार ही खुलता है। भगवान जगन्नाथ को हमेशा स्नान में 108 घड़ों में पानी से स्नान कराया जाता है।
- हर साल आषाढ़ माह शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को नए बनाए हुए रथ में यात्रा में भगवान जगन्नाथ,बलभद्र और सुभद्रा जी नगर का भ्रमण करते हुए जगन्नाथ मंदिर से जनकपुर के गुंडीचा मंदिर पहुंचते हैं। गुंडीचा मंदिर भगवान जगन्नाथ की मौसी का घर है। यहां पहुंचकर विधि-विधान से तीनों मूर्तियों को उतारा जाता है। फिर मौसी के घर स्थापित कर दिया जाता है।
- भगवान जगन्नाथ अपनी मौसी के घर पर सात दिनों तक रहते हैं। फिर आठवें दिन आषाढ़ शुक्ल दशमी पर रथों की वापसी होती है। इसे बहुड़ा यात्रा कहा जाता है।

सोने की झाड़ू से रास्ते की होती है साफ-सफाई

तीनों रथ के तैयार होने के बाद इसकी पूजा के लिए पुरी के गजपति राजा की पालकी आती है। इस पूजा अनुष्ठान को छर पहनरा नाम से जाना जाता है। इन तीनों रथों की वे विधिवत पूजा करते हैं और 'सोने की झाड़ू' से रथ मंडप और यात्रा वाले रास्ते को साफ किया जाता हैं।

रथ खींचने का मिलता है सौ यज्ञ और मोक्ष का पुण्य फल

भगवान जगन्नाथ को श्रीकृष्ण का अवतार माना गया हैं। स्कंद पुराण के अनुसार जो व्यक्ति रथ यात्रा में शामिल होकर जगत के स्वामी जगन्नाथजी के नाम का कीर्तन करता हुआ गुंडीचा नगर तक जाता है वह सारे कष्टों से मुक्त हो जाता है, जबकि जो व्यक्ति जगन्नाथ को प्रणाम करते हुए मार्ग के धूल-कीचड़ आदि में लोट-लोट कर जाता है वो सीधे भगवान विष्णु के उत्तम धाम को प्राप्त होता है और जो व्यक्ति गुंडिचा मंडप में रथ पर विराजमान श्री कृष्ण, बलराम और सुभद्रा देवी के दर्शन दक्षिण दिशा को आते हुए करता है उसे मोक्ष मिलता है।

जगन्नाथ मंदिर का 'महाप्रसाद'

सभी हिंदू मंदिरों में भगवान की पूजा-आराधना और अनुष्ठान करने बाद प्रसाद का वितरण किया जाता है। लेकिन जगन्नाथ मंदिर ही एक अकेला ऐसा मंदिर है जहां का प्रसाद 'महाप्रसाद' कहलाता है। यह महा प्रसाद जगन्नाथ मंदिर में आज भी पुराने तरीके से मंदिर की रसोई में बनता है। ऐसी मान्यता है कि जगन्नाथ मंदिर की रसोई दुनिया की सबसे बड़ी रसोई है। महाप्रसाद को मिट्टी के 7 बर्तनों में रखकर पकाया जाता है। इन 7 बर्तनों को एक के ऊपर रखकर पकाया जाता है। सबसे खास बात है कि सबसे ऊपर रखा हुआ मिट्टी के बर्तन में प्रसाद सबसे पहले पकता है फिर उसके नीचे की तरफ रखा हुआ बर्तन में प्रसाद एक के बाद एक पकता है। महाप्रसाद को पकाने में सिर्फ लकड़ी और मिट्टी के बर्तन का ही प्रयोग किया जाता है। मंदिर में बनने वाला महाप्रसाद कभी भी लोगों को कम नहीं पड़ता है।

मौसी के घर विश्राम करने जाते हैं भगवान जगन्नाथ

आषाढ़ माह की शुक्लपक्ष की द्वितीया तिथि को निकलने वाली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा को ढोल, नगाड़ों, तुरही और शंखध्वनि के साथ रथ को लोग खींचते हैं, जिसे रथ खींचने का सौभाग्य मिल जाता है, वह महाभाग्यशाली माना जाता है। जगन्नाथ मंदिर से रथ यात्रा शुरू होकर तीन किलोमीटर दूर गुंडीचा मंदिर पहुंचती है। इस स्थान को भगवान की मौसी का घर भी माना जाता है। एक अन्य मान्यता के अनुसार यहीं पर विश्वकर्मा ने इन तीनों प्रतिमाओं का निर्माण किया था,अत: यह स्थान जगन्नाथजी की जन्मस्थली भी है। यहां पर तीनों लोग सात दिनों के लिए विश्राम करते हैं। फिर आषाढ़ माह के दसवें दिन सभी रथ पुन: मुख्य मंदिर की ओर प्रस्थान करते हैं। वापसी की यह यात्रा बहुड़ा यात्रा कहलाती है। जगन्नाथ मंदिर पहुंचने के बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच देव-विग्रहों को पुन: प्रतिष्ठित किया जाता है।

कहानी — कितने ईमानदार

एक बार बादशाह अकबर ने पूछा, बीरबल हमारी राजधानी में कितने ईमानदार हैं? ईमानदार अधिक हैं या बेईमान? जहांपनाह, बेईमान अधिक हैं। बीरबल ने कहा। सिद्ध कर सकते हो? बिल्कुल। ठीक है। सिद्ध करो। दूसरे दिन बीरबल ने महल का हौज खाली करवा दिया और नगर में ढिंढोरा पिटवा दिया, आज रात को नगर का हर आदमी बादशाह के महल के हौज में एक-एक घड़ा दूध डाले। सुबह होते ही बीरबल अकबर को हौज के पास ले गये। हौज को देखते ही बादशाह अकबर की आंखें खुली की खुली रह गयी। वे जोर से चिल्लाए, यह क्या है? हौज में दूध के बदले पानी। मेरे हुकम का ऐसा अनादर। बादशाह अकबर गुस्से से लाल-पीले हो गये। बोले, यह कैसे हो सकता है? बीरबल। ढिंढोरा पिटवाने में जरूर कोई भूल हुई होगी। लोग बादशाह के हुक्म का पालन न करें, ऐसा हो ही नहीं सकता। बीरबल ने शान्तिपूर्वक अकबर से कहा, हुजूर, जैसा आप सोचते हैं, नहीं हुआ है। सच बात तो यह है कि सभी ने जान-बूझ कर हौज में दूध के बदले पानी डाला है। अकबर ने कहा, मैं कैसे मान लूं कि जैसा तुम कह रहे हो, ऐसा ही हुआ होगा। हुजूर! मेरे साथ चलिए, अभी दूध का दूध और पानी का पानी हो जाता है। दोनों भेष बदलकर बाहर निकले। चलते-चलते वे एक सेठ की हवेली पर पहुंचे। सेठ ने पूछा, कौन हैं आप? बीरबल ने कहा, राहगीर हैं भाई। थोड़ी देर रुक कर आगे चले जाएंगे। सेठ ने कहा, आइए, अंदर आ जाइए। दोनों अन्दर गये। पानी पिया, फिर आराम से बैठे। बीरबल ने कहा, सेठजी! आपके बादशाह ने अपने हौज में लोगों को एक-एक घड़ा दूध डालने का हुक्म दिया था, क्या यह बात सच है? सेठ ने कहा, हां, सच है। बीरबल ने कहा, किसी को ऐसी बात पसन्द नहीं आती, लेकिन बेचारे क्या करते? बादशाह का हुक्म था, इसलिए। सेठ ने कहा, हुक्म देने वाला तो हुक्म दे देता है, पर मनुष्य में तो बुद्धि होती है न? बीरबल ने कहा, मतलब? सेठ ने बताया, देखिए... किसी से कहना मत! मैंने तो हौज में दूध के बजाय एक घड़ा पानी ही डाल दिया था। रात के अंधेरे में कौन देखता है कि घड़े के अन्दर क्या है। फिर नगर के सारे लोग तो दूध डालने ही वाले थे। उसमें मैंने एक घड़ा पानी डाल दिया, तो क्या फर्क पड़ता है? अकबर और बीरबल सेठ से इजाजत लेकर रवाना हुए। इसी तरह वे चार-पांच जगह और गए। सभी से एक ही बात सुनने को मिली कि हौज में सभी लोग दूध डालने वाले थे, पर अंधेरे में कौन देखता है कि घड़े में दूध है या पानी, यह सोचकर हर किसी ने हौज में दूध के बजाय पानी ही डाला था। बीरबल ने कहा, हुजूर, अभी और कहीं पता लगाने जाना है क्या? अकबर ने कहा, नहीं... नहीं...। इतना ही बहुत है। तुम सच कहते हो, सभी बेईमान गलत काम में एक हो जाते हैं और खासतौर पर स्वार्थ साधने में।

शिक्षा : हमें निर्णय पर पहुंचने से पहले तथ्यों पर गौर कर लेना चाहिए। यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि डर हमेशा अधिकारी की आज्ञा पालन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है, अधिकारी इस बात का लाभ उठा सकते हैं। यदि उच्च अधिकारी इस बात से अनभिज्ञ है तो उसके अन्तर्गत काम करने वाले डर खो देते हैं जबकि उच्चाधिकारी अपनी अधिकारिता।

10 अंतर खोजें

हंसना मना है

टीटू को बॉस ने ऑफिस पार्टी में बोला चलो कोई मजेदार शायरी सुनाओ आज। टीटू- उम्र की राह में जज्बात बदल जाते हैं। वक्त की आंधी में हालात बदल जाते हैं। सोचता हूं काम कर-कर के रिकॉर्ड तोड़ दूं। सैलेरी देखकर ख्यालात बदल जाते हैं। टीटू का प्रमोशन कैंसिल।

सिक्योरिटी गार्ड के लिए इंटरव्यू में पूछा गया- अंग्रेजी आती है? टिंकू- क्यों, चोर इंग्लैंड से आएंगे क्या?

एक अंकल ने सोनू से पूछा- पढ़ाई कैसी चल रही है...? सोनू ने जवाब दिया- अंकल, समंदर जितना सिलेबस है, नदी जितना पढ़ पाते हैं, बाल्टी भर याद होता है, गिलास भर लिख पाते हैं, चुल्लू भर नंबर आते हैं, उसी में डूब कर मर जाते हैं।

रमेश- शराब पीते पीते रोने लगा। उमेश- क्या हुआ... रो क्यों रहे हो? रेमश- यार, जिस लड़की को भूलने के लिए पी रहा था उसका नाम याद नहीं आ रहा।

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — कार्यस्थल पर आप शानदार प्रदर्शन करेंगे। यदि आप परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से नौकरी की तलाश कर रहे हैं, तो आप सफल होंगे।

वृषभ — आज आपके सारे काम मन-मुताबिक पूरे होंगे। आप अपने बच्चों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे।

मिथुन — संबंध मधुर हो सकते हैं। शत्रु से राहत मिलेगी। पिछले कुछ समय से चला आ रहा झंझट खत्म होने को है। सोच को सकारात्मक रखते हुए सावधानी पूर्वक निर्णय लें।

कर्क — आर्थिक रूप से दिन शुभ है। आप आय का एक अतिरिक्त स्रोत विकसित कर सकते हैं। भाग्य आपका साथ देगा और आप कठिन कार्यों को पूरा कर पाएंगे।

सिंह — ज्यादा समय परिवारवालों के साथ बितायेंगे। आज आपके लिए कोई फैसला करना थोड़ा कठिन भी हो सकता है। आपका पैसा आते-आते कहीं रूक सकता है।

कन्या — आज आप मित्रों के साथ प्रवास-पर्यटन का आयोजन करेंगे। बिजनेस में आगे बढ़ेंगे। नए लोगों से संपर्क बन सकते हैं। आपका कामकाज भी बढ़ सकता है।

तुला — इधर-उधर की भागदौड़ रहेगी। बाधाएं भी कई बार चिंता का कारण बनेंगी। धैर्य रखें, क्योंकि समय इतना भी बुरा नहीं है, जितना यह आपको इस समय दिख रहा है।

वृश्चिक — आज आप जिस भी काम को करना चाहेंगे, वो काम बड़े आराम से पूरा हो सकता है। बर्थडे पार्टी में जा सकते हैं। आप किसी काम के लिये नई योजना बना सकते हैं।

धनु — आप कुछ अच्छी योजनाएं बनाएंगे जिनसे आने वाले दिनों में आपको फायदा होने के योग हैं। शक करने की अपनी आदत पर भी आज कंट्रोल करें।

मकर — अपने बच्चों के साथ पिकनिक मनाने जा सकते हैं। आप किसी समारोह में जाने की प्लानिंग भी कर सकते हैं। ऑफिस में माहौल थोड़ा गंभीर रह सकता है।

कुम्भ — आज दुष्ट व्यक्ति आप को हानि पहुंचाने की कोशिश करेंगे। इसलिए किसी से वाद-विवाद नहीं करें। कुछ मामलों में परिस्थितियां आपके अनुरूप नहीं हो पाएगी।

मीन — आप कुछ काम पूरा करने में असमर्थ हो सकते हैं, मगर मेहनत करेंगे तो सफल भी होंगे। व्यवसायियों को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

छवि मित्तल का छलका दर्द बोलीं- लड़ते-लड़ते थक गई हूं

टी वी एक्ट्रेस छवि मित्तल ने कुछ महीने पहले ही बड़ा खुलासा किया था कि वह ब्रेस्ट कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं लेकिन अब छवि ने कैंसर की जंग जीत ली है और उनकी सेहत में धीरे-धीरे सुधार आ रहा है। इस दौरान छवि सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हो गई हैं। वह आए दिन अपनी तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर फैंस से रूबरू होती रहती हैं। अब छवि की सर्जरी को पूरे दो महीने हो गए हैं। एक्ट्रेस ने अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जिसके साथ छवि ने लंबा चौड़ा कैप्शन दिया है। उन्होंने इस पोस्ट में अपने बुरे दिनों को याद किया है और बताया कि सिर्फ एक कैंसर सर्वाइवर ही उनके दर्द और संघर्ष को समझ सकता है। अपनी एक खूबसूरत सी तस्वीर साझा करते हुए छवि ने अपनी दिल की बात कही है। वह लिखती हैं, कई बार मुझे लगता है कि कितना अच्छा होता अगर लोग आपका चेहरा देखकर ही समझ जाते कि आप ठीक नहीं हैं, लेकिन असल जिंदगी में ऐसा बहुत कम होता है। एक पार्टनर ही आपके पैरों के छालों के दर्द के बारे में जान सकता है। एक प्रेमी ही आपके दिल में छिपे दर्द को महसूस कर सकता है और एक योद्धा ही जान सकता है कि वो हर दिन, हर पल किस संघर्ष से गुजरता है. छवि आगे लिखती हैं। मेरी सर्जरी को दो महीने पूरे हो चुके हैं और पिछले कुछ दिनों में एक मां की तरह, गर्भवती होने के कारण, बेहतर महसूस करने के लिए, उन चीजों को करने में सझम होने के लिए अधीर हो रही है, जो मैं पहले करती थी। अंदर से स्माइल करने में सक्षम होने के लिए, दिल से मुस्कुराने के लिए और यह समझाने के लिए थक गई हूं कि मेरा शरीर क्या कर सकता है और क्या नहीं। मैं लड़ते-लड़ते थक गई हूं, लेकिन कुछ ऐसी लड़ाइयां भी होती हैं, जिन्हें अकेले लड़ना पड़ता है।

अक्षरा की चमकी किस्मत, आमिर खान संग करने जा रही हैं काम!

भोजपुरी फिल्मों की जानी मानी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह का रुझान अब बॉलीवुड की ओर काफी बढ़ता दिख रहा है। देशभर में अपनी एक्टिंग और सिजलिंग अदाओं के कारण पहले ही एक खास पहचान हासिल कर चुकी अक्षरा इन दिनों काफी सुर्खियों में हैं। एक्ट्रेस अपनी रील्स की वजह से भी लगातार चर्चा में रहती हैं। वहीं, अक्षरा के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर उस समय खबरें और तेज हो गईं, जब उन्हें सुपरस्टार आमिर खान के साथ देखा गया। हाल ही में अक्षरा ने सोशल मीडिया पर आमिर खान के साथ अपनी एक फोटो शेयर की है। इसमें दोनों एक दूसरे को देखकर मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। इसी फोटो ने सोशल मीडिया यूजर्स के बीच काफी उत्सुकता बढ़ा दी है। अब हर कोई जानना चाहता है कि दोनों सितारे किस वजह से एक साथ आए हैं। वहीं, लोगों ने यह भी अनुमान लगाना शुरू कर दिया है कि अक्षरा और आमिर हो सकता है कि साथ में कोई प्रोजेक्ट कर रहे हैं। इस फोटो में अक्षरा और आमिर दोनों ही काफी खुश नजर आ रहे हैं। एक्ट्रेस ने इस फोटो के साथ कैप्शन में लिखा, ऐसे जीनियस माइंड वाले एक्टर से मिलकर बहुत सम्मानित महसूस हुआ. ऐसा लगा ही नहीं कि हम पहली बार मिले हैं। हर किसी के पसंदीदा आमिर सर के साथ सबसे अच्छा समय बिताया। अच्छी बातचीत और मिलकर मस्ती करने के लिए बहुत शुक्रिया। हालांकि, अब माजरा क्या है कि इसका खुलासा तो वक्त के साथ ही हो पाएगा।

बॉलीवुड | मसाला

अक्षरा आमिर से पहले सलीम मर्चेंट के साथ भी नजर आई थीं। अब उनकी ये फोटोज जाहिर कर रही हैं कि एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में एंट्री करने मन बना लिया है।

खतरों के खिलाड़ी 12 में पहुंचते ही बोल्ड हुईं जन्नत जुबैर

जन्नत जुबैर ने बहुत छोटी सी उम्र में इंडस्ट्री में एक ऊंचा मुकाम हासिल कर लिया है। एक्ट्रेस आज किसी पहचान की मोहताज नहीं रह गई हैं। उनके चाहने वाले पूरी दुनिया में मौजूद हैं, जो उनकी एत झलक के लिए बेताब रहते हैं। जन्नत भी आज सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी हैं। अक्सर उनका एक अवतार फैंस को देखने के लिए मिलता रहता हैं।

खतरों के खिलाड़ी 12 में दिखा जन्नत का सिजलिंग अंदाज

हालांकि, इन दिनों जन्नत पहुंच गई हैं रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी 12 में, अपने डर का सामना करने के लिए। अब शो के सेट से भी वह लगातार फैंस के साथ अपनी फोटोज और वीडियोज शेयर कर रही हैं। कई बार तो जन्नत को खूब मस्ती करते हुए देखा जाता है, तो कई बार उनका सिजलिंग अवतार देखने को मिलता है। अब फिर से जन्नत का दिलकश लुक सामने आया है। जन्नत ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। इनमें उन्हें पिंक कलर के ट्रैक सूट में देखा जा रहा है। यहां वह किसी पार्क जैसे एरिया में खड़ी हुई हैं। इस दौरान जन्नत ने ग्लॉसी न्यूड मेकअप किया है और बालों को ओपन रखा है। एक्ट्रेस यहां अलग-अलग पोज देते हुए फोटोज क्लिक करवा रही हैं। इस सिंपल लुक में जन्नत काफी हॉट लग रही हैं। शो के सेट से जन्नत जैसे अपने अलग-अलग लुक्स शेयर कर रही हैं, ऐसे में उन्हें देखते हुए कह सकते हैं कि शो के दौरान भी उनका बोल्ड अवतार देखने को मिलता रहेगा। उनके लुक्स ने शो के लिए भी काफी उत्सुकता बढ़ा दी है। जन्नत के चाहने वाले यह देखने के लिए बेताब हैं कि एक्ट्रेस कैसे शो में खतरों से लड़ती नजर आएंगी। जन्नत के इस्ट्रा पर लाखों फालोअर्स हैं। सोशल मीडिया पर लगातार वे एक्टिव रहती है।

अजब-गजब | वजह जानकर आप भी करेंगे तारीफ

ऐसा देश, जहां चलती कारों पर पेंट फेंक देती है पुलिस

अलग-अलग देशों के अपने नियम कानून होते हैं और उसके पीछे उनके अपने तर्क काम करते हैं। कई बार कुछ कानून इतने अजीब होते हैं कि हम उसके पीछे का लॉजिक समझ ही नहीं पाते लेकिन उस देश के मुताबिक ये सही होते हैं। जापान में एक ऐसा ही नियम पुलिस ने अपनाया है, जिसमें वो लोगों की साफ-सुथरा गाड़ियों को रंगीन कर देते हैं। जापान में पुलिस राह चलती कारों पर पेंटबॉल फेंक देती है, जिससे कार पर धब्बा लग जाता है। आखिर पुलिस ऐसा क्यों करती होगी ? इसके पीछे की वजह बेहद दिलचस्प है और वो इसके जरिए अपराधियों की पहचान करती है। पुलिस का ये पेंट स्टाइल एक्शन अपने आपमें अनोखा है, जिसके बारे में हम आपको आज बता रहे हैं।

कैसे फेंके जाते हैं कारों पर रंग ?

आमतौर पर हमारे यहां होली के दौरान गाड़ियों पर रंग से भरे गुब्बारे फेंके जाते हैं। जापानी पुलिस जो रंग फेंकती है, वो दरअसल पेंटबॉल्स होती हैं. इनमें नारंगी रंग भरा हुआ होता है। गुब्बारों की तरह ही बॉल्स में रंग भरा रहता है। पेंटबॉल्स सीधे कार या किसी वाहन पर फेंकी जाती है और वहां स्पॉट बन जाता है. स्थानीय भाषा में इन्हें बोहान यो कारा बोरू कहा जाता है. इसके इस्तेमाल किसी भी चीज़ को चिह्नित करने के लिए किया जाता है। यही वजह है की जापानी पुलिस वाहनों पर ये पेंटबॉल्स फेंकती है। ऐसा नहीं है कि पुलिस यूं ही पेंटबॉल्स फेंक देती है। वो इसका इस्तेमाल तब ही करती है, जब किसी अपराधी को पकड़ना होता है और वो पुलिस के चंगुल से भागने की कोशिश करता है। पुलिस उस वक्त बॉल फेंककर वाहन पर स्पॉट बनाती है, जिसे आगे की पुलिस दूर से ही देख लेती है और अपराधी को पकड़ने में मदद मिलती है। इस तरह की पेंटबॉल का इस्तेमाल टोल गेट, गैस स्टेशन और भाग रहे शख्स पर भी किया जाता है, ताकि उसे दूर से ही पहचाना जा सके।

ऐसी सड़क जहां एक्सीडेंट से बचाने के लिए खुद सड़क ही बजाती है हॉर्न

दुनियाभर में एक्सीडेंट में कई मौतें होती हैं। वाहनों की संख्या बढ़ने की वजह से एक्सीडेंट के केस भी बढ़ गए हैं। पहाड़ी इलाके या घाटियों में एक्सीडेंट होने के चांस ज्यादा रहते हैं क्योंकि वहां की सड़क घुमावदार होती है। ऐसे में घुमाव पर गाड़ियां दिखती नहीं हैं और अक्सर गाड़ियों में भिड़ंत हो जाती है। भारत के हिमालय में भी इसी तरह की सड़के हैं। ऐसे में यहां भी दुर्घटनाएं सबसे ज्यादा होती हैं। दरअसल, घुमावदार मोड़ की वजह से ड्राइवर को घुमाव के दूसरी ओर से आती गाड़ी नहीं दिख पाती। घुमाव पर ड्राइवर टक्कर से बचने के लिए हॉर्न बजाते हैं लेकिन क्या आपको पता है कि भारत में एक सड़क ऐसी भी है, जहां खुद सड़क ही हॉर्न बजाती है। दरअसल, घाटियों में होने वाले इन एक्सीडेंट्स को रोकने के लिए हिंदुस्तान पेट्रोलियम और लिओ बर्नेट ने एक यूनिक आइडिया को डेवलप किया। इस आइडिया को उन्होंने 2017 में लॉन्च किया था। इसमें गाड़ी के हॉर्न बजाने की जगह सड़क को ही हॉर्न बजाने का सिस्टम डेवलप किया गया। इस तकनीक को सबसे पहले जम्मू और श्रीनगर को जोड़ने वाले N H 1 पर टेस्ट किया गया। बता दें कि इन घाटियों में रास्ते बेहद घुमावदार हैं। ऐसे में घुमाव पर दूसरी तरह से आ रही गाड़ी दिखती नहीं है। कई बार ड्राइवर ऐसे मोड़ पर हॉर्न बजाना भूल जाते हैं, जिससे एक्सीडेंट की संभावना रहती है। ऐसे में हिंदुस्तान पेट्रोलियम और लिओ बर्नेट की इस तकनीक में सड़क के टर्न कोने के आसपास में ही स्मार्ट लाइफ पोल्स लगाए गए। जैसे ही कोई गाड़ी इन पोल्स के पास पहुंचती है, सड़क से आवाज आने लगती है। इससे दूसरी तरफ ड्राइवर भी सचेत हो जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, एनएच1 में इस तकनीक के सफल इम्प्लांट होने के बाद यहां एक्सीडेंट्स में कमी आई है। अब इस तकनीक को भारत की ऐसी अन्य सड़कों पर भी लगाए जाने का प्लान है। बताया जा रहा है कि जब से एनएच1 पर ये स्मार्ट पोल्स लगे हैं, तबसे एरिया में एक्सीडेंट के मामले काफी कम हो गए हैं। ऐसे में सरकार अब इस सिस्टम को बाकि अन्य जगहों पर भी इमप्लांट करने की प्लानिंग कर रही है। इसमें रोहतांग पास से लेकर लेह मनाली हाईवे भी शामिल है।

फेल हो गया झूठा डबल इंजन, यूपी बना अपराध में नंबर वन : अखिलेश

» कानून और स्वास्थ्य सेवाएं ध्वस्त, सपा के कामों को बता रही अपना

» महिला अपराध बढ़े बेखौफ घूम रहे अपराधी जनता परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार झूठ के ढोल पीटने में अव्वल है पर उसके झूठ की कलई खुलने लगी है। प्रदेश में अपनी एक भी योजना न चलाने वाली भाजपा ने बस सपा सरकार के कामों को अपना रंग और अपना नाम देने का रिकार्ड बनाया है। जनता भाजपा की सभी करतूतों और सच्चाई से वाकिफ हो चुकी है। समय आने पर भाजपा को जनता जरूर जवाबदेह बनाएगी।

उन्होंने कहा कि सपा सरकार ने जहां अयोध्या में अंडरग्राउंड विद्युतीकरण का काम कराया, भाजपा सरकार ने उसे रोक कर शहरों में तारों का मकड़जाल फैलाया। एक तो सरकार बिजली नहीं दे पा रही हैं, ऊपर से अब बरसात के मौसम में अस्पताल की छत पर बिजली के तारों का मकड़जाल बड़ी अनहोनी की दस्तक दे रहे हैं। बारिश में शार्ट सर्किट का खतरा बढ़ जाता है।

फोटो

उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री खिंचवाने और सुर्खियों में बने रहने के लिए जिन अस्पतालों का दौरा कर चुके हैं उन अस्पतालों की दुर्दशा भी सुधरने का नाम नहीं ले रही है। उत्तर प्रदेश में भाजपा राज में स्वास्थ्य सेवाएं ध्वस्त हो चुकी हैं। गाजियाबाद में मां को कंधे पर उठाए अस्पताल में जाते बेटे की तस्वीर भाजपा के शासनकाल में स्वास्थ्य सेवाओं की बिगड़ती हालत बयान करती है। आखिर स्वच्छ भारत और सच भारत कब बनेगा? उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति तले महिलाओं पर सत्ता संरक्षित अपराधियों का हमला चरम पर है। बाराबंकी में महिला की पीटकर हत्या, मेरठ में महिला से सामूहिक दुष्कर्म, बलरामपुर में नेपाली किशोरियों से गैंगरेप, लखनऊ में बंथरा इलाके में किशोरी से दुष्कर्म, ये सब घटनाएं इस बात की प्रमाण हैं कि फेल हो गया झूठा डबल इंजन, यूपी बना अपराध में नंबर वन। सत्ता संरक्षित अपराधी बेखौफ कर रहे अपहरण। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में लोग नरकनुमा जिंदगी बसर करने को मजबूर हैं। मजबूर जनता की कहीं सुनवाई नहीं। वैसे भी भाजपा-आरएसएस के कानून में अपील और दलील जैसी किसी चीज की मान्यता नहीं है। ये संगठन एकाधिकारी मानसिकता से काम करते हैं। भाजपा-आरएसएस लोकतंत्र, समाजवाद तथा पंथनिरपेक्षता पर विश्वास नहीं करती है जबकि समाजवादी पार्टी लोकतंत्र और संविधान के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मथुरा की अनाज मंडी में भीषण आग 40 दुकानें राख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। जिले में कृषि उत्पादन मंडी समिति के गल्ला मंडी परिसर के डंप दो पर आज सुबह आग लग गई। आग लगने के कारण का अभी पता नहीं लग सका है। डंप पर करीब 40 दुकान थीं। आग से करोडों रुपये का अनाज, नकदी, आढ़तियों के बही खाता और आठ मोटर साइकिलें जल गईं।

» आठ मोटर साइकिलें भी जलीं, करोड़ों के नुकसान का अनुमान

» आगरा-दिल्ली हाईवे तक दिखा धुएं का गुबार

मंडी परिसर में स्थित डंप दो पर साढ़े आठ बजे के करीब अपनी ट्रेडिंग कंपनी में अज्ञात कारणों से आग लग गई। इसके बाद देखते-देखते पूरे डंप में आग लग गई। आग लगने से 40 आढ़त की दुकानें राख हो गई। आढ़त के पास खड़ी मोटर साइकिलों में आग लग गई और उनके फटने से आग तेजी से फैली। इनवर्टर बैटरी और छोटे सिलेंडर भी आग लगने से फटने लगे। 10-15 मिनट में सब कुछ जल गया। दमकल की कई गाड़ियों ने मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पूरे मंडी परिसर में अफरा तफरी का माहौल है। चूंकि अनाज सूखा है, इसलिए आग एकदम तेजी से बड़े हिस्से में फैल गयी। आगरा दिल्ली हाईवे पर भी धुएं का गुबार नजर आ रहा है।

बस खड्ड में गिरी 26 यात्री घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उन्नाव। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर आज तड़के टायर फटने से प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर दूसरी लेन में जाकर खड्ड में गिर गई। हादसे में 26 यात्री घायल हो गए। पुलिस और यूपीडा कर्मियों ने एंबुलेंस से घायलों को सीएचसी भेजा, जहां से तीन को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

स्लीपर बस लगभग 80 यात्रियों को लेकर बिहार के छपरा से दिल्ली के आनन्द बिहार जा रही थी। बांगरमऊ क्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर तड़के लगभग 3.30 बजे गांव रघुरामपुर के पास टायर फटने से बस अनियंत्रित होकर सेंट्रल जाली तोड़ते हुए दूसरी लेन पहुंच गई। एक्सप्रेस वे पर किनारे लगाए एल्युमिनियम गार्ड को तोड़ती हुई खड्ड में गिर गयी। हादसे में बस स 26 यात्री घायल हो गए। यूपीडा की रेस्क्यू टीम ने घायलों को बांगरमऊ सीएचसी में भर्ती कराया।

अंधविश्वास और गरीबी ने ली जान, पांच दिन तक घर में शव के साथ रहा परिवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» इलाज की जगह करा रहे थे झाड़-फूंक

» भूख लगने पर पीते थे सिर्फ गंगाजल

प्रयागराज। करछना क्षेत्र के डीहा गांव में अंधविश्वास और गरीबी का बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक परिवार के 11 लोग 18 वर्षीय बेटी अंतिमा यादव के शव के साथ पांच दिन तक घर में बंद रहे। दुर्गंध आने पर जब ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी तो मामले की जानकारी हुई। पता चला कि घर में कई-कई दिनों तक खाना नहीं बनता था और परिवार के लोग सिर्फ गंगाजल पीते थे। पुलिस ने सभी को अस्पताल भेजा।

डीहा गांव निवासी अभयराज यादव प्राइवेट नौकरी करता था। कोरोना के दौरान नौकरी छूटने पर वह घर पर रहता था। उसकी पांच बेटियां व तीन बेटे हैं। चार बेटियों की शादी हो चुकी है और एक को छोड़कर तीन बेटियां इन दिनों मायके में थीं। घर से

तेज दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। घर के भीतर जाने पर पर अंतिमा का शव पड़ा मिला। शव कई दिन पुराना था। घर के भीतर कई अन्य सदस्य भी बीमार मिले। इनमें मृतका की तीन बहनें, तीन भाई व उनके पांच बच्चे शामिल हैं। इनमें अभयराज की नतिनी कृति (5) की हालत गंभीर थी। पुलिस जांच में पता चला कि अभयराज को छोड़कर परिवार के अन्य सभी सदस्य बीमार थे लेकिन वह दवा कराने की बजाय झाड़-फूंक में लगे थे। अभयराज ने बताया कि वह विरोध करता तो बेटे व बेटियां उसे डांट-डपटकर चुप करा देते थे। बेटी अंतिमा की हालत बिगड़ने पर उसने एक बार फिर दवा कराने को कहा तो सभी ने उसे एक कमरे में बंद कर दिया। अफसरों को जब यह पता चला कि घर में कई-कई दिनों तक खाना नहीं बनता था और परिवार के लोग सिर्फ गंगाजल पीते थे तो वह स्तब्ध रह गए। एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित के मुताबिक मौके के जो हालात थे, उससे यही लगता है कि परिवार अंधविश्वास के फेर में था। मामले की जांच की जा रही है। परिजनों को अस्पताल भेजा गया है।

जुबैर की गिरफ्तारी पर नूपुर से सवाल तक नहीं!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक बार फिर अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला किया गया। फैक्ट चेकिंग वेबसाइट ऑल्ट न्यूज के को-फाउंडर व पत्रकार मोहम्मद जुबैर की गिरफ्तारी की देश भर में निंदा हो रही है जबकि बीते सालों में सैकड़ों बार फेक न्यूज की असलियत जुबैर ने बताई हैं। सवाल है कि ऐसे पत्रकार को गिरफ्तार किया गया पर नुपुर शर्मा को क्यों नहीं? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अनिल यादव, सैयद कासिम, अजय शुक्ला, रोहिण कुमार, प्रो. लक्ष्मण यादव, प्रो. रविकांत और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

रोहिण कुमार ने कहा, बार-बार अंदाजा लगता है कि देश में दो कानून है। जो बातें नुपुर शर्मा ने कहीं, भाजपा के आईटी सेल वालों ने कही, उसी को फैक्ट मानते हुए जुबैर को गिरफ्तार कर लिया गया है। जुबैर ने फैक्ट चेकिंग के जरिए फेक न्यूजों का पर्दाफाश किया है। ऐसे में उन्हें जेल में रखना गलत है। प्रो. रविकांत ने कहा कि जी7 में भारत अभी शामिल हुआ है और वहां भी अभिव्यक्ति की आजादी की ही बात कर रहा है। जुबैर के साथ जो हो रहा है, वह है जो असहमत हैं उनके लिए कानून काम कर रहा है। सैयद कासिम ने कहा कि जुबैर का ट्वीट 2018 का है। भाजपा के आईटी सेल वालों को कितनी मेहनत करनी पड़ी होगी ऐसे ट्वीट को खोजने में। अब दो विचारों की लड़ाई है। लोकतंत्र में आज हम जिस जगह पहुंचे हैं इमरजेंसी से बुरे हालात हैं। डॉ. अनिल यादव ने कहा, नूपुर के लिए अलग कानून, जुबैर के लिए अलग, आजकल ये बहुत चल रहा है। जो परिस्थितियां बन रही है उससे लगता है देश में सांप्रदायिकता की स्थिति बनती जा रही है। प्रो. लक्ष्मण यादव ने कहा जो लोग नफरत की सियासी बात कर रहे हैं, वो भली-भांति जानते हैं कि देश में हो क्या रहा है। जो हो रहा है प्रतिपक्ष भी आएगा। अजय शुक्ला ने भी परिचर्चा में अपने विचार रखे।

प्लॉग रन में अरविंद शर्मा ने बांटे टिप्स

लखनऊ। उत्तर प्रदेश से सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त करने के लिए आयोजित कैंपेन के तहत राजधानी लखनऊ में प्लॉग रन का आयोजन किया गया। राजधानी के 1090 चौराहे पर आयोजित प्लॉग रन में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार शर्मा, डॉ अरूण सक्सेना, केपी मलिक, दुर्गा शंकर मिश्रा, मेयर संयुक्ता भाटिया मौजूद रहे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री शर्मा ने शहर को प्लास्टिक मुक्त रखने के लिए टिप्स बांटे। इस प्लॉग रन को आम जनता को जागरुक करने के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के जरिए प्लास्टिक के इस्तेमाल से होने वाली दिक्कतों को जनता के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

उदयपुर की घटना राजस्थान सरकार की नाकामी : पाठक

» प्रियंका गांधी, मायावती व अखिलेश यादव ने भी की घटना की निंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजस्थान के उदयपुर में दर्जी की निर्मम हत्या के बाद उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस को इस घटना की पहले से जानकारी थी। इसके बाद भी कोई सख्त कदम नहीं उठाए गए। ये राजस्थान सरकार और पुलिस की नाकामी का नतीजा है। उन्होंने कहा, राजस्थान की घटना बहुत दुख :द है। हत्यारों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उत्तर प्रदेश में पूरी तरह से हम लोग सतर्कता बरत रहे हैं।

कांग्रेस की सरकार में जो घटना घटी है यह पहले से पुलिस को पता थी। उसने एफआईआर दर्ज कराई थी। वहां की सरकार ने कोई गंभीर कार्रवाई नहीं की, जिन अधिकारियों ने इसे नजरअंदाज किया है उनके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं प्रियंका गांधी ने उदयपुर हत्याकांड पर ट्वीट करते हुए कहा कि उदयपुर में घटी हिंसक घटना की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। धर्म के नाम पर नफरत, घृणा व हिंसा फैलाने वाले मंसूबे हमारे देश व समाज के लिए घातक हैं। हमें मिलकर शांति व अहिंसा के प्रयासों को मजबूत करना होगा। इस निर्मम हत्या पर उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री व बसपा प्रमुख मायावती व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, जनसत्ता दल प्रमुख रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने भी एक स्वर में निंदा की। ट्वीट कर उन्होंने हत्यारों को सख्त सजा देने के साथ-साथ शांति व सद्भाव बनाए रखने की राजस्थान सरकार से मांग की थी।

मालूम हो कि दर्जी कन्हैयालाल की हत्या नुपुर शर्मा के विवादित बयान का समर्थन करने के कारण की गई। उदयपुर में मोहम्मद रियाज नाम के एक शख्स ने कन्हैयालाल का सिर कलम करने के बाद एक वीडियो जारी किया था। इस वीडियो में वो खंजर पर लगे खून को देख हंसते हुए कहता हुआ सुनाई दे रहा है कि उसने एक सिर कलम कर लिया है। इस पूरे विवाद की शुरुआत एक टीवी डिबेट के दौरान हुई थी जिसमें भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने पैंगबर मोहम्मद को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद कई अरब देशों ने भारतीय राजदूतों को बुलाकर इस बयान की निंदा की थी। धीरे-धीरे ये मामला बढ़ता चला गया।

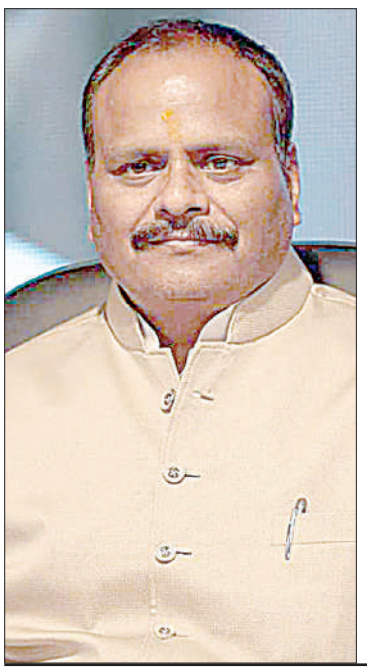

ऐसे आपराधिक तत्वों को सख्त से सख्त सजा दी जाए : अखिलेश

लखनऊ। उदयपुर में कन्हैयालाल की हत्या पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने दुख जताते हुए हत्यारों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि उदयपुर में जो उन्मादी हत्या हुई है उसकी जितनी निंदा हो वो कम है। आज समाज के हर एक व्यक्ति को आगे आना होगा और देश के भाईचारे को नफरत की भेंट चढ़ने से बचाना होगा। उन्होंने कहा ऐसे आपराधिक तत्वों को समय रहते सख्त से सख्त सजा दी जाए, जिससे देश के अमन-चैन के दुश्मन इसका लाभ न उठा सकें। अखिलेश बोले उदयपुर में जो उन्मादी हत्या हुई है उसकी जितनी निंदा हो वो कम है। आज समाज के हर एक व्यक्ति को आगे आना होगा और देश के भाईचारे को नफरत की भेंट चढ़ने से बचाना होगा।

उदयपुर की घटना को लेकर यूपी में हाई अलर्ट

उदयपुर की निर्मम हत्या की घटना के बाद यूपी में भी हाई अलर्ट जारी किया गया है। अपर पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि सभी जिलों के पुलिस कप्तानों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। क्षेत्र में फूट पेट्रोलिंग करने और गहन चेकिंग करने के लिए भी कहा गया है। उन्होंने कहा कि यूपी में माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। कानून को हाथ में लेने की इजाजत किसी को नहीं दी जाएगी।

विधायक निधि से महानुभावों के नाम पर बन सकेंगे द्वार

» अब शासन से नहीं लेनी होगी अनुमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब विधानमंडल के सदस्य विधायक निधि से विशिष्ट व्यक्तियों, राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त राजनेताओं व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सम्मान में गेटों/द्वारों का निर्माण करा सकेंगे। इसके लिए उन्हें शासन से अनुमति नहीं लेनी होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट ने नौ जून 2005 के शासनादेश में संशोधन पर मुहर लगा दिया है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि अब विधानमंडल के सदस्य अपने विवेक से विशिष्ट व्यक्तियों, राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त राजनेताओं व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सम्मान में गेटों/द्वारों का निर्माण करा सकेंगे। इसके लिए उन्हें अनुमोदन नहीं लेना पड़ेगा। मौर्य से शासनादेश में संशोधन के लिए विधानमंडल के कई सदस्यों ने अनुरोध किया था। उपमुख्यमंत्री ने इस पर संबंधित विभागों से चर्चा और गहन विचार विमर्श किया और ग्राम्य विकास विभाग से इसके लिए प्रस्ताव तैयार कराया, जिसका अनुमोदन कैबिनेट ने कर दिया है। उप मुख्यमंत्री मौर्य ने कहा कि इस निर्णय से राज्य सरकार पर कोई अतिरिक्त व्यय भार नहीं पड़ेगा। वहीं, इस निर्णय से गेट/द्वार के निर्माण के दौरान आम लोगों को रोजगार सृजन का लाभ भी मिल सकेगा। बता दें कि हाल ही में योगी सरकार ने विधायकों की निधि तीन करोड़ से बढ़ाकर पांच करोड़ की थी। यूपी में अब विधायक सांसद के बराबर विकास कार्य करवा सकते हैं। सरकार के इस फैसले का पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी स्वागत किया था। उन्होंने सभी के प्रति आभार प्रकट किया था। अखिलेश ने कहा कि सभी सदस्य चाहते थे कि विधायक निधि बढ़ जाए और नेता सदन ने सदस्यों के मन की बात मान ली। उन्होंने सभी के प्रति आभार जताया था।

नई शिक्षा नीति पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेंगे पीएम मोदी

» वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में होगा आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वाराणसी में अगले महीने होने वाली राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन की तैयारियां तेज हो गई हैं। नई शिक्षा नीति पर होने वाले आयोजन के लिए सात से नौ जुलाई की तिथि लगभग तय हो चुकी है। रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर का चयन आयोजन के लिए किया गया है। कुछ और जगहों को भी विकल्प के तौर पर रखा जा रहा है।

देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, आईआईटी, तकनीकी संस्थानों के निदेशकों के साथ ही कई शिक्षाविदों की ओर से नई शिक्षा नीति पर मंथन किया जाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी के तीन दिवसीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने की भी चर्चाएं हैं। प्रधानमंत्री कब आएंगे, इसकी कोई तिथि तय नहीं हो पाई है, लेकिन तैयारियां चल रही हैं। सम्मेलन में संस्थानों की ओर से आए सुझावों, नई शिक्षा नीति से जुड़े अन्य बिंदुओं पर चर्चा के साथ पूरा मसौदा तैयार किया गया है। साथ ही रोजगारपक पाठ्यक्रमों से छात्रों को जोड़ने, विश्वविद्यालयों में कला प्रदर्शनी, संगोष्ठी और कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जाएगा। आयोजन के लिए शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी की टीम के भी आने की संभावना है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।